

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1136
उत्तर देने की तारीख-10/12/2025

परीक्षा सुधार और एनटीए का पुनर्गठन

1136 श्रीमती किरण चौधरी:

डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:

श्री बृज लाल:

श्री नारायण कोरागप्पा:

डा. कल्पना सैनी:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के पुनर्गठन की वर्तमान स्थिति क्या है और प्रौद्योगिकी-आधारित डिजी-एग्जाम प्रणाली सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पूर्व में हुई कुप्रबंधन संबंधी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने में किस प्रकार सक्षम होगी;
- (ख) 'परख' नए आकलन स्वरूपों का मानकीकरण किस प्रकार कर रही है और कक्षा III, V एवं VIII के लिए इसका ढांचा कब तक देशभर में लागू किया जाएगा;
- (ग) एनटीए में दस अतिरिक्त पद सृजित करने के क्या कारण हैं;
- (घ) त्रुटि-रहित परीक्षा परिवेश प्राप्त करने हेतु इन नए पदों की क्या-क्या ज़िम्मेदारियाँ होंगी;
- (ङ) क्या मंत्रालय छात्रों की कोचिंग केंद्रों पर निर्भरता कम करने हेतु लक्षित सार्वजनिक वक्तव्यों के प्रभाव को ट्रैक कर रहा है; और
- (च) नवीन रूप से अभिकल्पित बोर्ड परीक्षाएँ और पाठ्यचर्या, कोचिंग पर निर्भरता में कमी लाने में कैसे सहायक होंगे?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (च): राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की स्थापना वर्ष 2018 में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश/अध्येतावृत्ति के लिए परीक्षाओं का आयोजन करने हेतु एक विशेष संगठन के रूप में की गई थी। वर्ष 2018 में अपनी स्थापना के बाद से, एनटीए ने 5.5 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों के लिए 250 से अधिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की हैं।

एनटीए द्वारा परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने दिनांक 22.06.2024 को विशेषज्ञों की एक उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसीई) का गठन किया। समिति ने राज्यों के साथ संस्थागत संबंध, ज्ञान और परीक्षा भागीदार के रूप में टेस्ट इंडेंटिंग एजेंसियों की सहभागिता, विभिन्न स्तरों पर उम्मीदवारों के प्रमाणीकरण आदि सहित कई उपायों के माध्यम से भारत में राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा के सुधार के संबंध में दिनांक 21.10.2024 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

एनटीए द्वारा राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के आयोजन में सुधारों के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए डॉ. के. राधाकृष्णन, पूर्व अध्यक्ष, इसरो की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय संचालन समिति पहले ही गठित की जा चुकी है।

एनटीए को सुदृढ़ बनाने के लिए, परीक्षाओं का सुचारू और निष्पक्ष आयोजन सुनिश्चित करने के लिए एनटीए में 16 नवीन पद सृजित किये गये हैं, जिनमें से निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर पर प्रत्येक के लिए 8 पद हैं।

एनईपी 2020 की सिफारिश के अनुसरण में, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण) की स्थापना 8 फरवरी, 2023 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के तहत की गई थी।

सतत प्रारंभिक आकलन की दिशा में बदलाव लाने के अपने अधिदेश के भाग के रूप में, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र - परख ने एनईपी, 2020 में परिकल्पित स्कूल शिक्षा के चार चरणों नामतः बुनियादी, प्रारंभिक, मिडिल और माध्यमिक चरण में समग्र प्रगति कार्ड की अवधारणा और विकास किया है, जो (<https://ncert.nic.in/parakh/hpc.php?ln=>) पर उपलब्ध है।

समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति से अलग योग्यता-आधारित और रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करना है। यह गुणवत्तापूर्ण और मात्रात्मक संकेतकों के माध्यम से संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को शामिल करते हुए शिक्षार्थियों की बहुआयामी प्रगति को प्रस्तुत करता है।

32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने शिक्षा के बुनियादी, प्रारंभिक और मिडिल चरणों में एचपीसी को अपनाया है।

शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग केंद्रों के विनियमन संबंधी दिशानिर्देश तैयार किए हैं और उचित विधिक फ्रेमवर्क के माध्यम से विचार करने और कार्रवाई करने हेतु दिनांक 16.01.2024 को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित किए हैं। ये दिशानिर्देश निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:

https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/Guideliens_Coaching_Centres_en.pdf